

# विपक्ष का सबसे बड़ा डर है योगी आदित्य नाथ



उत्तर प्रदेश चुनाव में योगी आदित्यनाथ की जीत का भारतीय राजनीति पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। यह कानून और व्यवस्था, सामाजिक और आर्थिक विकास को ध्यान में रखते हुए और सांस्कृतिक जड़ों को वापस लाने के लिए किसी भी राज्य या देश के प्रशासन को कैसे चलाया जाना चाहिए, इस पर मतदाताओं और राजनीतिक नेताओं का मार्ग तय और निर्देशित करेगा।

पीएम मोदी के बाद विपक्षी दलों की मुख्य चिंता योगी है, और उनकी जीत, जब पिछले 35 वर्षों में कोई भी सीएम लगातार दो बार नहीं जीता है, विपक्षी दलों, असामाजिक तत्वों और देश को अस्थिर करने का प्रयास करने वालों के लिए एक बड़ा आश्चर्य होगा।

यह जीत, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में जीत के साथ, इस तथ्य के लिए उल्लेखनीय है कि भले ही मुद्रास्फीति अधिक थी और लोगों को कोरोना के परिणामस्वरूप बहुत नुकसान हुआ, लोगों ने सोच समझकर मतदान किया, यह प्रदर्शित किया कि लोग संकीर्ण मानसिकता से दूर जा रहे हैं, केवल कुछ वस्तुओं की कीमतों पर विचार करने की मानसिकता यह निर्धारित करने के लिए कि अगले पांच वर्षों तक उन पर कौन शासन करेगा, यह मानसिकता घट रही है। आने वाले वर्षों में, मानसिकता में यह बदलाव गहरी सांस्कृतिक जड़ों के साथ तेजी से विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा और हमारे देश को “विश्वगुरु” बना देगा। हमारी माताओं और बहनों का पीएम मोदी और सीएम योगी के लिए अटूट समर्थन सराहनीय है।

जब नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाला, तो विपक्षी नेता ने उनकी सनातन पहचान के कारण उन्हें निशाना बनाना शुरू कर दिया। उस समय केंद्र में कांग्रेस सरकार और विपक्ष के भारी विरोध के बावजूद उन्होंने काम करना जारी रखा। उनके सकारात्मक कार्य और विरोधियों की अनावश्यक विनाशकारी आलोचना के बावजूद भी अंततः 2014 में उन्हें प्रधान मंत्री के रूप में लोगो ने नियुक्त किया। योगी के विरोधियों द्वारा उसी पद्धति का उपयोग किया जा रहा है, और हम आने वाले दिनों में गहरी नफरत और गंदी राजनीति देखेंगे, लेकिन संन्यासी योगी की प्रतिबद्धता यूपी की 24 करोड़ आबादी को जीवन के सभी पहलुओं में उनका उत्थान करने के लिए अंततः उन्हें अगले कुछ सालों में शीर्ष कुर्सी पर बिठाने में मददगार साबित होगा। विरोधियों को पीएम मोदी से ज्यादा योगी का डर है, इसलिए अवैध और गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल लोगों की रातों की नींद उड़ने वाली है।

आने वाले वर्ष में परिवर्तन और चुनौतियाँ, यूपी मजबूत आर्थिक और सामाजिक विकास को देखेगा,

जिससे देश के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों में सुधार होगा और केंद्र सरकार की योजना के अनुसार 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक पहुंचने में मदद होगी।

रोजगार के लिए महाराष्ट्र और गुजरात पर निर्भरता काफी कम हो जाएगी। यूपी से कई राज्यों को वास्तव में फायदा होगा।

समाज और राष्ट्र को सभी मोर्चों पर मजबूत बनाने के लिए देश भर में सनातन की जड़ें मजबूत होंगी।

धर्मांतरण माफिया भाजपा के वोट शेयर को कम करने के लिए सनातनियों को परिवर्तित करने के लिए बड़ी मात्रा में विदेशी फंडिंग की सहायता से अपने प्रयासों को बढ़ाएंगे। मोदी सरकार को अधिक सतर्क रहना होगा और कानून के अनुसार उचित कार्रवाई करनी होगी।

असली चुनौती पंजाब से आएगी, जहां मोदी सरकार को अतिरिक्त सतर्क रहना होगा, क्योंकि राज्य नशे की गिरफ्त में आ सकता है। पंजाब को विभाजित करने के लिए अशांति पैदा करने का प्रयास करने वाली और जारी रखने वाली ताकतें एक बार फिर उठ सकती हैं। केंद्र सरकार और सतर्कता एजेंसियों को अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

पिछले सात वर्षों में, उत्तर पूर्वी राज्यों में मोदी सरकार की विकास गतिविधियों ने लोगों की मानसिकता को निराशावादी से आशावादी, भारत में विश्वास बनाने के लिए पूरी तरह से बदल दिया है, जिसने अंततः भारत से इसे तोड़ने के चीन के दृष्टिकोण को नष्ट कर दिया है। मोदी सरकार के लिए पूर्वोत्तर के लोगों का समर्थन स्पष्ट है।

दक्षिणी राज्यों में सुधार के साथ, एनडीए के लिए 2024 के संसदीय चुनाव में जीत आसान होगी। महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड और हरियाणा आसानी से जीत जाएंगे।

किसानों ने सरकार का समर्थन करके नकली किसान नेताओं को दरवाजा दिखाया है जिसने हंगामा किया और मोदी सरकार को कृषि कानूनों को उलटने के लिए मजबूर किया।

केंद्र में 55 वर्षों तक शासन करने वाली सबसे शक्तिशाली कांग्रेस पार्टी आने वाले वर्षों में फूटने के कगार पर है। लोग धीरे-धीरे महसूस कर रहे हैं कि वंशवाद की राजनीति किसी भी देश के लिए अच्छी नहीं होती। राजवंशों को खारिज किया जाना चाहिए।

आज के चुनाव के नतीजों का भारतीय राजनीति पर खासा असर पड़ेगा. इससे कई राज्यों के समीकरण बदलेंगे.

\*\*\*

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

7875212161